# फिर उठी बड़वाह को जिला बनाने की मांग

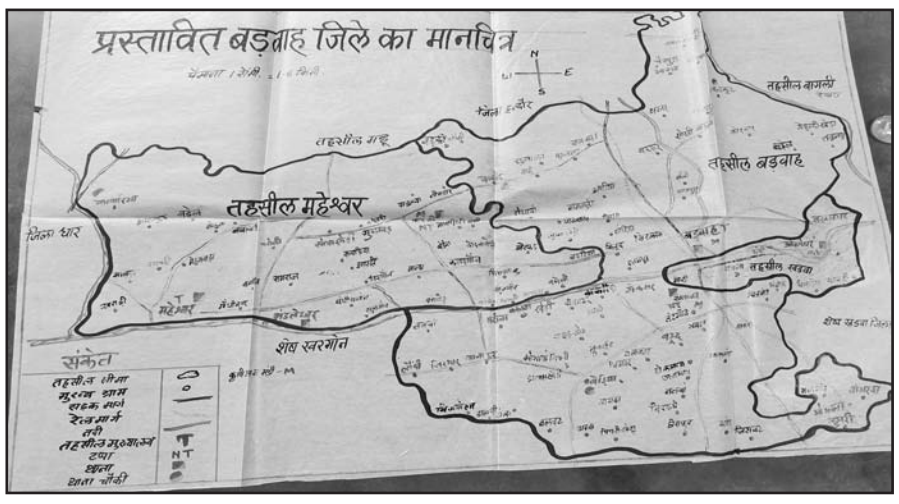


**बड़वाह -इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव है। ऐसे में बड़वाह को जिला बनाने की मांग भी जोर पकड़ रही है, लेकिन इस बार जिला बडवाह को नहीं बल्कि ब?वाह, सनावद, महेश्वर के साथ ओंकारेश्वर को मिलाकर ओंकारेश्वर के नाम से बनाने के लिए संघर्ष किया जा रहा है। जिला बनाओ संघर्ष समिति अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर जनसमर्थन हासिल करने का प्रयास कर रही है।**

**इस संबंध में जब जिला बनाओ आंदोलन के प्रणेता प्रदीप सेठिया से चर्चा की गई, तो उन्होंने बताया कि राजनीतिक ईच्छा शक्ति की कमी के वजह से ब?वाह जिला नहीं बना पाया। स्थानीय जनता, समाजसेवियों ने समय समय पर प्रयास किए, मांग भी रखी। लेकिन उस हिसाब से जनप्रतिनिधि ताकत और क्षमता के साथ शासन के श्रेष्ठी वर्ग के सामने बात नहीं रख पाए।**

## 7 लाख से ज्यादा जनसंख्या होगी लाभान्वित

यहां तक की भाजपा और कांग्रेस दोनों ने जिला बनाने की बात अपने घोषणापत्र में भी शामिल की थी। लेकिन दोनों पार्टियों ने इस संकल्प को पूरा करने के लिए कोई खास रूचि नहीं दिखी। यदि जिला बनता है तो बड़वाह, सनावद, महेश्वर,ओंकारेश्वर क्षेत्र की करीब 7 लाख से अधिक जनता एवं लगभग 600 से अधिक गांव लाभान्वित होंगे।

## निरंतर चलेगा आंदोलन

प्रदीप सेठिया ने बताया कि हाल ही में सैस ग्रुप के सदस्यों के आव्हान पर नगरवासियों ने जिला बनाओ रैली निकाली थी। एक बार फिर क्षेत्रवासियों में जिले की मांग उठने लगी है। जिला बनाओ संघर्ष समिति का गठन किया गया। इसमें ब?वाह के साथ सनावद, ओंकारेश्वर, महेश्वर के लोगों का भी सहयोग लेकर उन्हें जो?ने के प्रयास किया जा रहा है। चूंकि चुनावी वर्ष में उठाए मुद्दों पर सरकार ध्यान अवश्य देती है, इसलिए यह आंदोलन निरंतर चलता रहेगा।

## 12 ज्योतिर्लिंग में सिर्फ ओंकारेश्वर नहीं बन पाया जिला

सेठिया ने बताया कि ऐसा पता चला है कि जितने भी ज्योतिर्लिंग क्षेत्र है, सरकार उसे संभाग बनाने का सोच रही है। यदि ज्योतिर्लिंग के लिए निमाड संभाग बनाया जा सकता है। खंडवा-खरगोन जिले का केंद्र बिंदु ओंकारेश्वर है। साथ ही भविष्य में बड़वाह, सनावद, ओंकारेश्वर को मिलाकर नगर निगम बनाया जा सकता है।

तीर्थ क्षेत्र को देखते हुए, उसके महत्व को देखते हुए बड़वाह के बजाय ओंकारेश्वर को जिला बनाने की बात रखी है। यह एक आध्यात्मिक केंद्र भी है। साथ ही जानकारी अनुसार, 12 ज्योतिर्लिंग में केवल ओंकारेश्वर ही है,जो जिला नहीं बना।

# बस दुर्घटना के सभी घायलों का उपचार शासन कराएगी-कृषि मंत्री श्री पटेल

## प्रभारी मंत्री और सांसद आपात स्थिति में हेलिकाफ्टर से पहूँचे दुर्घटना के प्रभावितों मिलने

खरगोन 09 मई 2023। प्रदेश के कृषि व जिले के प्रभारी मंत्री श्री कमल पटेल बुधवार को जिले मुख्यालय से करीब 30 किमी दूर दसंगा गांव में हुई बस दुर्घटना में घायलों और परिजनों से मिलने जिला अस्पताल पहुंचे। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि ईलाज की चिंता न करें। सभी घायलों के उपचार शासन द्वारा कराया जाएगा। आवश्यकता प?ने पर घायलों का उपचार निजी अस्पतालों में भी कराया जाएगा। दुर्घटना में उपचारत घायल कला बाई के सिर पर हाथ रखते हुए सांत्वाना देते हुए कहा कि आफत की इस घडी में शासन घायलों, मृतकों और उनके परिजनों के साथ ही। हृदय विदारक भीषण बस दुर्घटना को लेकर कहा कि प्रथम दृष्टया ड्राइवर की लापरवाही और साथ में आरटीओ की लापरवाही होने पर तत्काल प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने खरगोन आरटीओं को निलंबित कर जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बसों में ओवरलोडिंग सवारी न हो उसकी भी जांच करें। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि इस घटना में जो भी दोषी होंगे उन पर कार्यवाही की जाएगी। साथ ही उन्होंने दोबारा इस तरह की घटना न हो इसके लिए प्रशासन को निर्देशित करते हुए कहा कि रोकथाम के लिए पुख्ता इंतजाम किये जाएं। इस दौरान सांसद श्री गजेन्द्र सिंह पटेल, श्री राजेन्द्र राठौर, श्री परसराम चौहान व अन्य जनप्रतिनिधियों ने घायलों के परिजनों को सांत्वना दी।

### घटना भीषण थी जैसे ही मुख्यमंत्री को पता चला हेलीकॉप्टर से भेजा

प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बहुत ही संवेदनशील व्यक्ति है जिनसे घटना के संबंध में चर्चा कर उन्होंने तत्काल हेलीकॉप्टर से प्रभावित परिवारों का ईलाज कराने और और दोषियों पर कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि बस दुर्घटना में मृतकों को परिजों को 4-4 लाख रूपये, गंभीर घायलों को 50-50 हजार रूपये तथा सामन्य घायलों को प्रदेश सरकार 25-25 हजार रूपये की सहायता राशि देगी। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि दुर्घटनों में घायलों को पूरा ईलाज सरकार कराएगी एक भी पैसा परिजनों का एक भी पैसा खर्च नहीं होने दिया जाएगा।

### सूचना मिलते ही कलेक्टर एसपी घटना स्थल पर पहुँचे

दसंगा में पुल से बस गिरने की सूचना मिलते ही कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा और एसपी श्री धर्मवीर सिंह घटनास्थल पर पहुँचे। घटनास्थल से करीब 1 डे? किमी. दूर प्राथमिक स्वाथ्य के केंद्र पर घायलों और मृतकों को लाया गया। घायलों की संख्या देखते हुए कलेक्टर श्री वर्मा ने सिविल सर्जन और सीएमएचओ को उपचार के सम्बंध में निर्देशित कर अस्पताल के सभी डॉक्टरो को अलर्ट पर रखा। गंभीर घायलों को इंदौर रेफर करने जैसी स्थिति में जिले की सभी एम्बुलेंस को जिला असप्ताल और घटना स्थल पर बुलवाया गया। घटना के बाद इंदौर आईजी श्री राकेश गुप्ता भी जिला अस्पताल पहुॅचे। उन्हों भी मरिजों और परिजनों से घटना की जानकारी ली। दूर्घटना में 24 मृतक तथा कुल 47 घायल हुए हैं। घायलों का खरगोन के विराज अस्पताल में 11 का, जिला अस्पताल में 26 का और 10 घायलों का अन्य अस्पतालों में उपचार चल रहा है।

### इनकी मौत की पुष्टि

मंगलवार को हुई बस दुर्घटनों में 24 व्यक्तियों की मृत्यु हुई है। मृतकों में 23 वर्षीय विवेक पिता प्रेमचंद पाटीदार नि. गंधावड, 11 माह ओम पिता दिनेश नि. घेगांवा, 20 वर्षीय दुर्गेश पिता साजनसिंह नि. मोठापुरा, 14 वर्षीय मुस्कान पिता कालू नि. देवगुराडिया इंदौर, 30 वर्षीय संजय पिता पंडरी नि. सुरपाला, देवकी पति रमेशचंद्र वर्मा नि. धरमपुरी धार, धनालाल गुर्जर नि. लोनारा, 45 वर्षीय संतोष पिता गंगाधर बारचे नि. छालपा मेनगांव, सलिता बाई पति भगवान वर्मा नि. मर्दाणिया ठीकरी, 60 वर्षीय रामकुंवर पति दुलीचंद मानकर नि. लोनारा, 1 प्रियांशी पिता लखन नि. अतरसंभा, 18 वर्षीय आंचल पिता सुंदरलाल वास्कले नि. घटवा थाना ठीकरी, 32 वर्षीय लक्ष्मीबाई पति महेश वास्कले नि. घटवा, 75 वर्षीय मंगती बाई पति मंशाराम वास्कले घटवा, सुखदेव पाटीदार नि. पीपरी थाना ऊन, कान्हा पिता संतोष पाटीदार पीपरी, पिंकी पति कालू वास्कले नि. जरवाहा थाना ठीकरी, सुमित पिता कमल नि. बोरखड थाना मनावर धार तथा अर्जुन नि. जोतपुर थाना मनावर, अनिता प्रभुलाला धरमपुरी धार, वर्षा लखन जलगुन राजपुर बडवानी, परी लखन जलगुन राजपुर बडवानी, बीना बाई मांगीलाल सुखरामपुरा ठीकरी तथा लीलू बुध्या पाटीदार निवासी पिपरी शामिल है।

# बहनों को लाड जताने में निकाय में खरगोन सबसे आगे, जनपद में बडवाह अव्वल

**प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी लाडली बहना योजना में आवेदन ऑनलाइन करने का काम 30 अप्रैल की देर रात तक चला। अंतिम समय तक जिले की कुल 3 लाख 14 हजार 661 महिलाओं के आवेदन ऑनलाइन किए गए हैं। आवेदन को ऑनलाइन करना और आधार में डीबीटी (डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर) एक्टिव करना अर्थात प्रक्रिया 100 प्रतिशत पूरी करने में निकायों में खरगोन सबसे आगे रहा। यहां सबसे ज्यादा 16 हजार 894 आवेदन ऑनलाइन किए गए और 80.56 प्रतिशत आवेदन डीबीटी एक्टिव किए गए।**

**वहीं जनपदों में बड़वाह जनपद में सबसे अधिक 48 हजार 315 आवेदन ऑनलाइन कर 72.01 प्रतिशत डीबीटी एक्टिव किए गए हैं। हालांकि ऑनलाइन किए गए कुल आवेदनों में से 90 हजार 87 आवेदन अभी तक भी डीबीटी एक्टिव नहीं हुए हैं। हालांकि यह काम अभी पूरे महीने जारी रहेगा। इस दौरान संबंधित आवेदकों को अधूरे दस्तावेज पूरे करना होंगे।**

**जानकारी अनुसार जिले में 23 से 60 वर्ष आयु वर्ग की कुल 6 लाख 82 हजार 769 महिलाएं हैं। इनमें से समग्र ईकेवाईसी पूर्ण महिलाओं की संख्या 3 लाख 28 हजार 431 है। जिले की 9 जनपदों व 9 निकाय में कुल 3 लाख 14 हजार 661 आवेदन योजना के तहत ऑनलाइन किए गए हैं।**

**आधार नंबर बैंक अकाउंट से लिंक ना होने व आधार में डीबीटी एक्टिव ना होने से आवेदन पूर्ण नहीं माने जाएंगे। ऐसे में जिले की 90 हजार 87 महिलाओं के आधार में डीबीटी एक्टिव करने का काम होना अभी बाकी है। इसमें सबसे कम डीबीटी वाला निकाय करही-पाडल्या है।**

**यहां 63.97 प्रतिशत आवेदन ही डीबीटी एक्टिव हुए हैं। जबकि जनपदों में सबसे कम झिरन्या जनपद में 67.92 प्रतिशत आवेदन एक्टिव हुए हैं। अब इन शेष रहे आवेदकों को एक माह में बची हुई प्रक्रिया पूरी करनी होगी। योजना अनुसार 10 जून को पूरी तरह पात्र महिलाओं को खाते में एक हजार रुपए की राशि मिलेगी।**

## आवेदक की ईमानदारी ही है पात्रता की कसौटी

आगामी कार्रवाई के अनुसार अब 15 मई तक आपत्तियां प्राप्त की जाएगी। 16 से 30 मई तक आपत्तियों का निराकरण होगा। इसके बाद 31 मई को अंतिम सूची जारी होगी। 10 जून को बैंक खातों के माध्यम से राशि प्राप्त होगी।

आवेदन किए जाने में पात्रता की कसौटी आवेदक की ईमानदारी ही है। अधिकारियों से मिली जानकारी अनुसार यदि कोई आवेदक अपात्र है और किसी ने उस पर आपत्ति नहीं ली तो उसके खाते में योजना की राशि तो आएगी लेकिन भविष्य में कभी भी वसूली की कार्रवाई भी हो सकती है,

जैसे कि किसान सम्मान निधि में हुआ है। क्योंकि कई आवेदकों ने अपनी आय या अन्य जानकारियां छुपाकर भी आवेदन किए हैं।

## अभी से कई जगह विवाद

योजना के तहत आवेदन ऑनलाइन किए जाने के दौरान भी पात्र-अपात्र को लेकर विवाद सामने आए हैं। जानकारियां छुपाकर आवेदन करने वालों ने कर्मचारियों से विवाद किए हैं। योजना में फिलहाल पात्रता को लेकर सिर्फ निर्देश हैं, लेकिन क्रास चेक की प्रक्रिया निर्धारित नहीं है। अब आपत्ति लेने के दौरान भी इस तरह के विवाद सामने आने की आशंका है।

# निर्मल विद्यापीठ स्कूल के पास दो बाइक सवार युवकों की मौत

नगर से करीब एक किमी हाईवे पर निर्मल विद्यापीठ स्कूल के पास बनी पुलिया के निकट दो युवकों की लाश मिली है। साथ ही पास में ही बाइक भी क्षतिग्रस्त है। आशंका है की किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक हादसे का शिकार हो गए हो, लेकिन रात्रि में किसी की नजर नहीं पड़ी और उन्हें समय पर इलाज नहीं मिल पाया। जिसके चलते उनकी मौत हो गई।

रियाज खान बंगश ने बताया कि सोमवार सुबह वह हाइवे से गुजर रहे थे, तभी पुलिया किनारे एक बाइक जोकि पूरी तरह से क्षतिग्रस्त अवस्था में प?ी हुई थी। वाहन से करीब 15 फिट दूरी पर एक युवक प?ा हुआ देखा। वहीं दूसरा युवक पुलिया के नीचे मृत अवस्था में प?ा हुआ था। जिसके बाद पुलिस को मामले की सूचना दी।

बताया जा रहा है कि दुर्घटना किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई है। वाहन कौन सा था ये पता नहीं चल सका है। जानकारी लगने पर पुलिस मौके पर पहुंची व दोनों शवों को शासकीय अस्पताल लेकर आए है।

थाना प्रभारी जगदीश गोयल के मुताबिक मृतकों के परिजनों से संपर्क किया गया। जिसके बाद दोपहर में वे बड़वाह सिविल अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होंने दोनों युवकों की पहचान विशाल पिता गुलाब सोने (21) व राहुल पिता राधेश्याम गोलकर (21) निवासी जामली के रूप में किया है।मृतक विशाल के जीजा सूरज पिता बसंत बोरकर निवासी अरदला ने बताया कि विशाल मूल रूप से जामली का रहने वाला है, लेकिन वह कुछ वर्षों से इंदौर में ही अपने परिवार के साथ रहकर पुताई संबंधी कार्य करता था।

रविवार शाम को वह अपने दोस्त राहुल के साथ इंदौर से जामली अपने रिश्तेदारों से मिलने के लिए निकला था। लेकिन जब वहां भी नहीं पहुंचा तो परिजनों ने विशाल के मोबाइल पर फोन लगाया तो उससे संपर्क नहीं हुआ। आखिरकार दोपहर में पुलिस से हादसे कि सूचना मिली।

घटना के बाद मां माया भी बड़वाह पहुंची। यहां वह बेटे के कुशलक्षेम पूछ रही थी। जब बेटे की मौत की जानकारी लगी तो मां कुर्सी पर बैठ रोने लगी। मां के अनुसार विशाल कल शाम घर से बिना कुछ बोले निकला था। जब रात तक घर नहीं लौटा तो मुझे फिक्र हुई।

जब उससे फोन नहीं मिला तो रिश्तेदारों, दोस्तों को फोन लगाया। उनसे भी कुछ पता नहीं चला। फिर फोन आया की बड़वाह में एक्सीडेंट हो गया। यहां आए तो पता चला की मेरा बेटा इस दुनिया में ही नहीं रहा। वहीं पुलिस दुर्घटना की वजह जानने में जुटी है। यह हादसा किसी वाहन की टक्कर से हुआ है या स्वयं